



Ch/253/56

आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 8, 1985/कार्तिक 17, 1907
No. 16 NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 8, 1985/KARTIKA 17, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे फिर यह अस्तग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय साम्राज्य नियम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1985

सं-34/फा आ द्वै पी 36/(2)/85.—साम्राज्य अधिनियम, 1964
(1964 का 37) को भारा 45 इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
नथा कोन्वीय सरकार की पूर्वानुमति में भारतीय साम्राज्य नियम निम्नलिखित विनियम
दनाकर भारतीय साम्राज्य नियम (कर्मचारीवृद्धि) विनियम, 1971 में इस प्रकार
संशोधन करता है।

1. (1) ये विनियम भारतीय साम्राज्य नियम (कर्मचारीवृद्धि) (91वा संवादन)
विनियम 1985 कहे जायेंगे।

(2) गं सत्काल प्रभावी हांगे ।

2 भारतीय सादृय नियम (कर्मचारीविवर) विनियम, 1971, के विनियम,
51 के अंतर्गत एवं इस नियम का प्रकार प्रतिस्थापित किया जाता है ।—

"51 (3) कोड़े नर्चारी जिसने भारतीय राष्ट्रीयता रखने वाले के
अलावा किसी अन्य से विवाह किया है या करता है तो वह इसकी
मुद्रा संकेत प्राप्तकारी को देंगे ।"

बि क भिस, मंत्रि-

FOOD CORPORATION OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1985

No. 34/F. No. EP. 36(2)85.—In exercise of the powers conferred by Section 45 of the Food Corporation Act, 1964 (37 of 1964) and with the previous sanction of the Central Government, the Food Corporation of India hereby makes the following regulations further to amend the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971, namely :—

1. (i) These Regulations may be called the Food Corporation of India (Staff) (91st Amendment) Regulations, 1985.

(ii) They shall come into force with immediate effect.

2. A sub-regulation under Regulation 51 of the Food Corporation of India (Staff) Regulations, 1971 shall be added as follows :—

"51 (iii). An employee who has married or marries a person other than that of Indian Nationality, shall forthwith intimate the fact to the competent authority."

V. K. BHISE, Secy